B.Com. (HONS)
P3 - A/cs & Finance Group.
Paper - VI
Cost & Management Accounting.

Date - 29.07.2020

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

UNIT - IV
TOPIC - RATIO ANALYSIS

अनुपात विश्लेषण, वित्तीय विवरणों के विश्लेषण एवं निर्वचन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली उपकरण है. यह एक अंकगणितीय अभिव्यक्ति है जो दो या दो से अधिक संख्याओं के बीच गणितीय संबंध स्थापित करता है. यह एक ही जाति की दो राशियों की तुलना कर यह स्पष्ट करता है कि एक राशि दूसरी राशि का कितना गुणा है, या कितना प्रतिशत है अथवा कौन सा भाग है.

कुछ विद्वानों के इसे निम्न प्रकार से परिभाषित किया है:—

(1) जे० बेट्टी के अनुसार → "लेखांकन अनुपात आर्थिक चिट्ठे, लाभ-हानि खाते, बजटरी नियंत्रक या लेखांकन संगठन के किसी दूसरे भाग में दिखाये गये आँकड़े महत्वपूर्ण संबंध की व्याख्या करते हैं."

(2) आर० एन० (एन्थोनी के अनुसार) "अनुपात साधारणतया एक संख्या को दूसरी संख्या के संदर्भ में प्रकट करता है तथा इसे एक संख्या को दूसरी संख्या से भाग देकर ज्ञात किया जाता है."

(3) विलियम तथा डीमार्मन के अनुसार — "अनुपात सामान्यतः वित्तीय विवरणों से निकाले गए आँकड़ों के पारस्परिक संबंध को दर्शाता है."

उपर्युक्त परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि- लेखांकन अनुपात लेखांकन समंकों पर आधारित अनुपात है तथा उनका संबंध कारण एवं परिणामों पर आधारित होने के विविध परिणाम निकालने में सहायक होता है.

दो विभिन्न संख्याओं के परस्पर संबंध को निम्न प्रकार से अभिव्यक्त किया जा सकता है —

(A) साधारण अनुपात या शुद्ध अनुपात (Simple Ratio)

(B) प्रतिशत (Percentage)

(C) दर या समय (Rate or Time)

अनुपात किसी संस्था की आर्थिक स्थिति को जानने के लिए महत्वपूर्ण आधार होता है. इसकी सहायता जटिल एवं बड़े-बड़े अंक समूहों को संक्षिप्त एवं सरल रूप में प्रस्तुत करना आसान हो जाता है. इनसे प्रबंधकों को व्यवसाय की परिस्थितियों का उचित ज्ञान हो जाता है जिससे संस्था की परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने में आसानी हो जाता है.

अनुपात विश्लेषण के महत्व व उद्देश्य निम्न लिखित है :-

(i) लेखांकन तथ्यों को स्पष्ट करने में सहायक होना — अनुपात, लेखांकन संख्याओं को सरल, संक्षिप्त एवं व्यवस्थित रूप प्रदान करते जिससे उन्हें आसानी से समझा जा सके.

(ii) वित्तीय विश्लेषण में सहायक होना — यह स्थिति-विवरण, लाभ-हानि खाते तथा अन्य वित्तीय विवरणों के विश्लेषण में सहायक होते हैं. विशेषकर बैंक, वित्तीय संस्थाएं,

Scanned with CamScanner

एवं विनियोग जैसे आदि अनुपातों की सहायता से ही स्थिति विवरण तथा आय विवरण का विश्लेषण करके संस्था के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हैं।

(iii) वित्तीय क्षमता मापने में सहायक होना) अनुपात विश्लेषण के तहत तरलता अनुपात, शोधन क्षमता अनुपात तथा लाभ दायकता व पूँजी संरचना अनुपात की सहायता से संस्था की वित्तीय क्षमता को मापा जा सकता है। जिससे प्रबंधकों को संस्था की वित्तीय आवश्यकताओं के मूल्यांकन में सहायता मिलती है।

(iv) नियंत्रण में सहायक होना) अनुपातों के माध्यम से गतिविधियों और संस्था के लिए प्रमापों का निर्धारण कर प्रभावशाली नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है। इसके आधार वास्तविक अनुपातों की प्रमापों के साथ तुलना करके प्रतिकूल परिणामों को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

(v) तुलनात्मक अध्ययन में सहायक होना) यदि एक संस्था अपनी वर्तमान स्थिति की तुलना किसी दूसरी संस्था की स्थिति से करना चाहे तो अनुपातों की सहायता से आसानी से तुलनात्मक अध्ययन कर सकता है। तथा एक संस्था अपनी ही वर्तमान स्थिति की तुलना गतवर्षों के आँकड़ों से अनुपात विश्लेषण की सहायता से कर सकता है।

(vi) सम्प्रेषण एवं समन्वय में सहायक होना) अनुपात के आधार पर फर्म की वित्तीय सुदृढ़ता अथवा कमजोरियों को अधिक सरल व समझने योग्य रूप में संबंधित पक्षों तक सम्प्रेषित किया जा सकता है तथा फर्म के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

(vii) पूर्वानुमान में सहायक :- विभिन्न अनुपातों से भविष्य के बारे में सही पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उदाहरणस्वरूप - सकल लाभ अनुपात के आधार पर अगले वर्ष की बिक्री पर सकल लाभ का अनुमान लगाना।

(viii) कुशलता के मूल्यांकन में सहायक :- अनुपात विश्लेषण के आधार पर यह जानकारी प्राप्त करना कि व्यवसाय की स्थिति किस वर्ष कैसी थी, अच्छी या बुरी। अतः इन अनुपातों के आधार पर व्यवसाय की कमजोरियों को दूर कर नयी-2 योजनाओं का निर्माण किया जा सकता है। तथा वर्तमान योजनाओं को कुशलता के आधार पर प्रभावपूर्ण ढंग से क्रियान्वित किया जा सकता है।

— II —

Scanned with CamScanner